[Shri Ravindra Varma]

pending for discussion and a tentative schedule of the Ministries that will come up for discussion has been circulated, the Minister of Parliamentary Affairs does not make a statement. There has, therefore, been no departure from the past precedents.

The hon. Member raised the question of the possibility of some changes in dates depending upon the availability of the hon. Ministers concerned. If there is to be any such change, the House will be notified in due course.

12.48 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Reported strike in Khetri Copper Project

श्री नाथू सिंह (दौसा) अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से सदन का ध्यान एक अत्यन्त लोक महत्व के विषय की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। पिछले 25 फरवरी से खेतडी ताबा प्रोजेक्ट के लगभग 8 हजार मजदूर पूर्णत हडताल पर हैं जिससे वहां का उत्पादन बिल्कुल ठप्प हो गया है। मजदूरो को पिछले कई दिनों से वेतन नही मिल रहा है। होली नजदीक है। ऐसे अवसर पर मजदूरों को वेतन व मिलने से उन मे व उनके परिवार के सदस्यों मे घोर निराशा उत्पन्न हो गई है। उसमे बहा तनाव की स्थिति बनती जा रही है। कर्मचारियो के प्रतिनिधिमण्डल ने मंत्री महोदय से मिलकर हल निकालने का भी प्रयत्न किया लेकिन असफल रहे। वैसे हडताल मजदूरों द्वारा प्रारम्भ नही की गई थी बल्कि प्रबन्धकों द्वारा कराई गई थी। बात केवल रस्सा बदलने की थी। जिस रस्से के द्वारा मजदूर खान मे उतरते है उसको सेफ्टी विभाग के अधिकारियो ने जाच के दौरान ठीक नहीं समझा व प्रबधकों को उस रस्से को बदलने की सलाह दी लेकिन रस्सा नहीं बदला गया। तब मजदूरो ने अपनी जान बचाने के लिए यही उचित समझा कि बिना रस्सा बदले अर्थात् इस पुराने रस्से के सहारे नीचे खान मे नहीं उतरा जाये। जब फिर भी रस्सा न बदला गया तो मजदूरों ने नीचे जाने से इनकार कर दिया और पांच वर्ष पूर्व से चली आ रही कुछ और मांगों को साथ जोडकर मैनेजमैंट से बात करने की इच्छा प्रकट की। मगर मैनेजमैंट ने बात करने से साफ इनकार कर दिया। बस इसी से वहां हड़ताल प्रारम्भ हो गई। कई संसद सदस्य वहां गये। मैं स्वयं भी वहा गया। वहां के मजदूरों से बातचीत की। हडताल होने से लाखों रुपये का देश को नुकसान हो रहा है। कर्मचारी चाहते है कि वहां उन्हें यूनियन बनाने का अधिकार दिया जाये, दो वर्ष से कार्य कर रहे मजदूरों को स्थायी किया जाये, बोनस दिया जाये एवं कपडे जो कि नीचे खान मे जाने से खराब हो जाते हैं, मजदूरों को दिये जायें। अर्थात् वर्दी देने की व्यवस्था की जाय—ये सब उन मजदूरो की समस्यायें हैं।

अध्यक्ष महोदय, ये समस्यायें बहुत कठिन नही हैं। इसलिये मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि देश के कर्मचारियों के हितो को ध्यान मे रखते हुए, वे उनसे बातचीत करे और उचित मागो को स्वीकार करे, तथा अन्य मार्गों पर विचार करने के लिए कोई कमेटी नियुक्त करे, ताकि हडताल समाप्त हो सके, कर्मचारियों का असन्तोष समाप्त हो और वहा पर पुन. उत्पादन प्रारम्भ हो सके।

मै मंत्री महोदय से पुन कहना चाहूंगा कि उन मजदूरों की समस्याओ पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने के लिए उन्हे यहां बुलायें या स्वयं वहां पर जायें और बातचीत करके उनकी समस्याओं का हल निकालें, ताकि देश नुकसान से बच सके और उन कर्मचारियों को कुछ दिया जा सके, जिससे उनका असन्तोष समाप्त हो।

(ii) Reported Strike by employees of Mogul Lines causing hardships to passengers going to Konkan.

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR (Ratnagiri): I rise here to raise a matter of urgent public importance in this House under Rule 377. Operation